

जंगली घोड़ों से प्रेम

पॉल, हिंदी : विदूषक

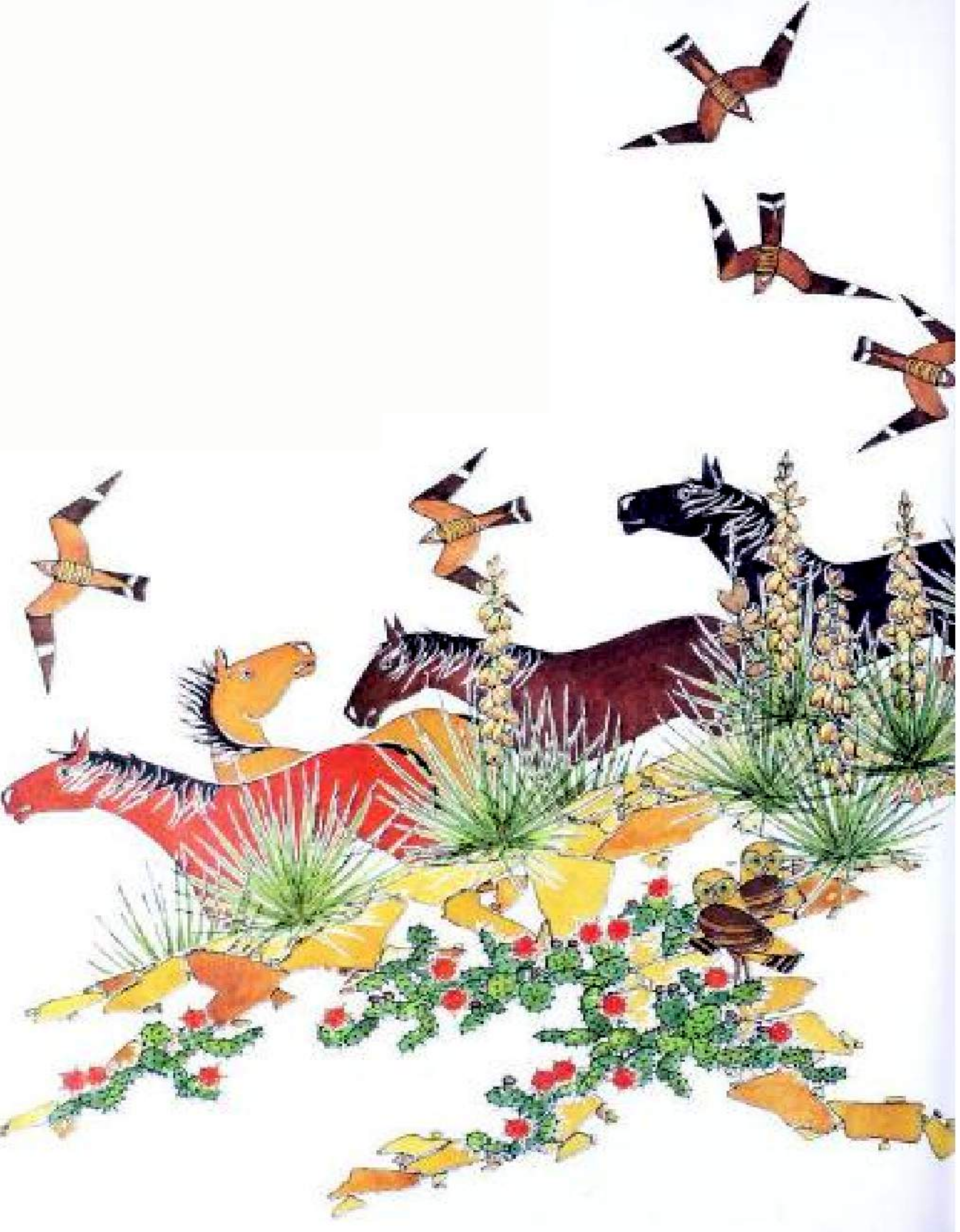




जंगली घोड़ों से प्रेम

पॉल, हिंदी : विदूषक

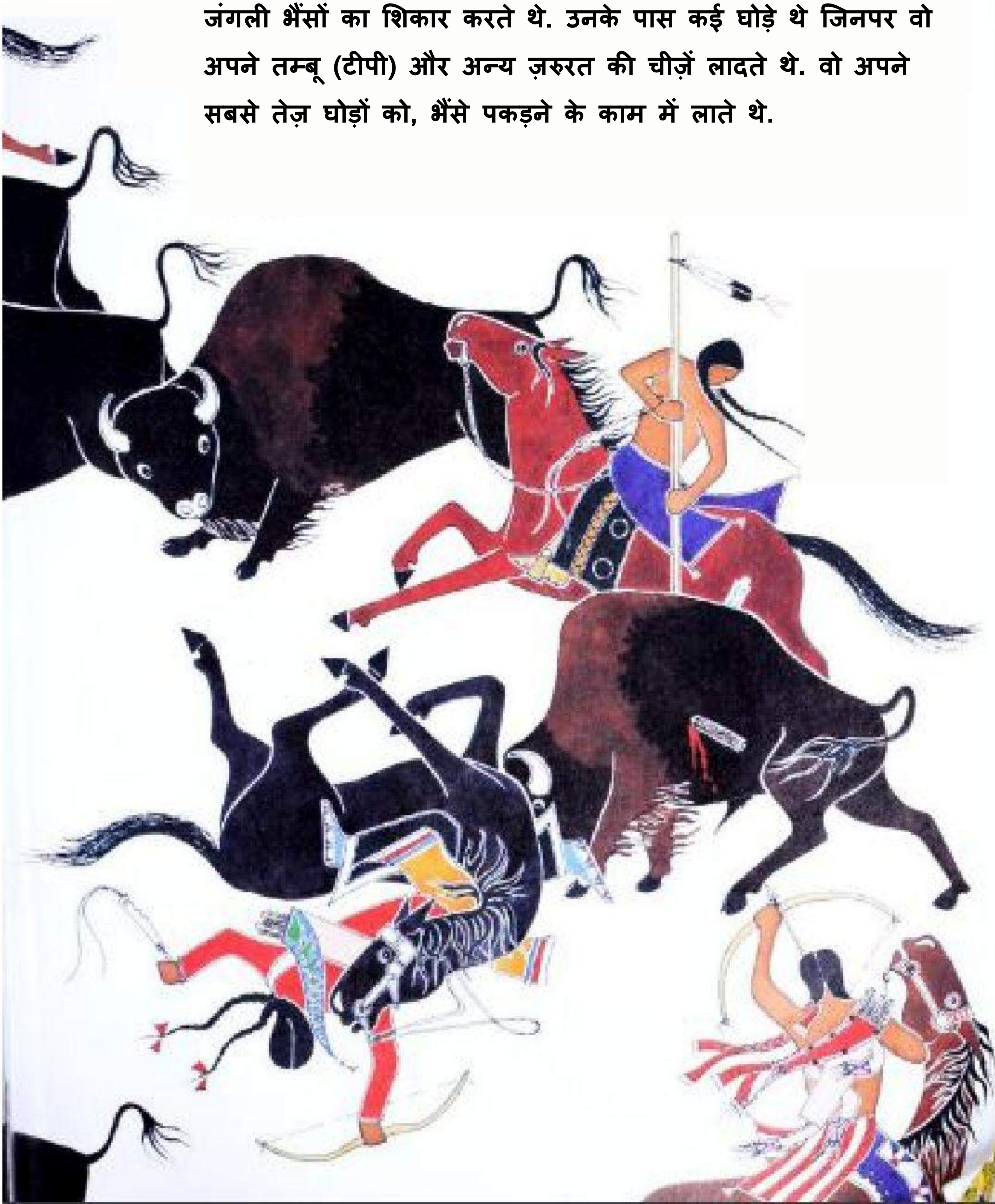








वहां के मूल निवासी – आदिवासी एक जगह से दूसरी जगह जाकर जंगली भैंसों का शिकार करते थे. उनके पास कई घोड़े थे जिनपर वो अपने तम्बू (टीपी) और अन्य ज़रुरत की चीज़ें लादते थे. वो अपने सबसे तेज़ घोड़ों को, भैंसे पकड़ने के काम में लाते थे.





उस गाँव में एक लड़की थी जिसे घोड़ों से बहुत प्रेम था. वो अक्सर सुबह के समय उठती जब चिड़िये उगते सूरज के लिए गीत गा रही होती थीं. फिर वो घोड़ों को पानी पीने के लिए नदी तक ले जाती. वो घोड़ों से बहुत धीमी आवाज़ में बोलती, और घोड़े उसकी बात मानते थे.

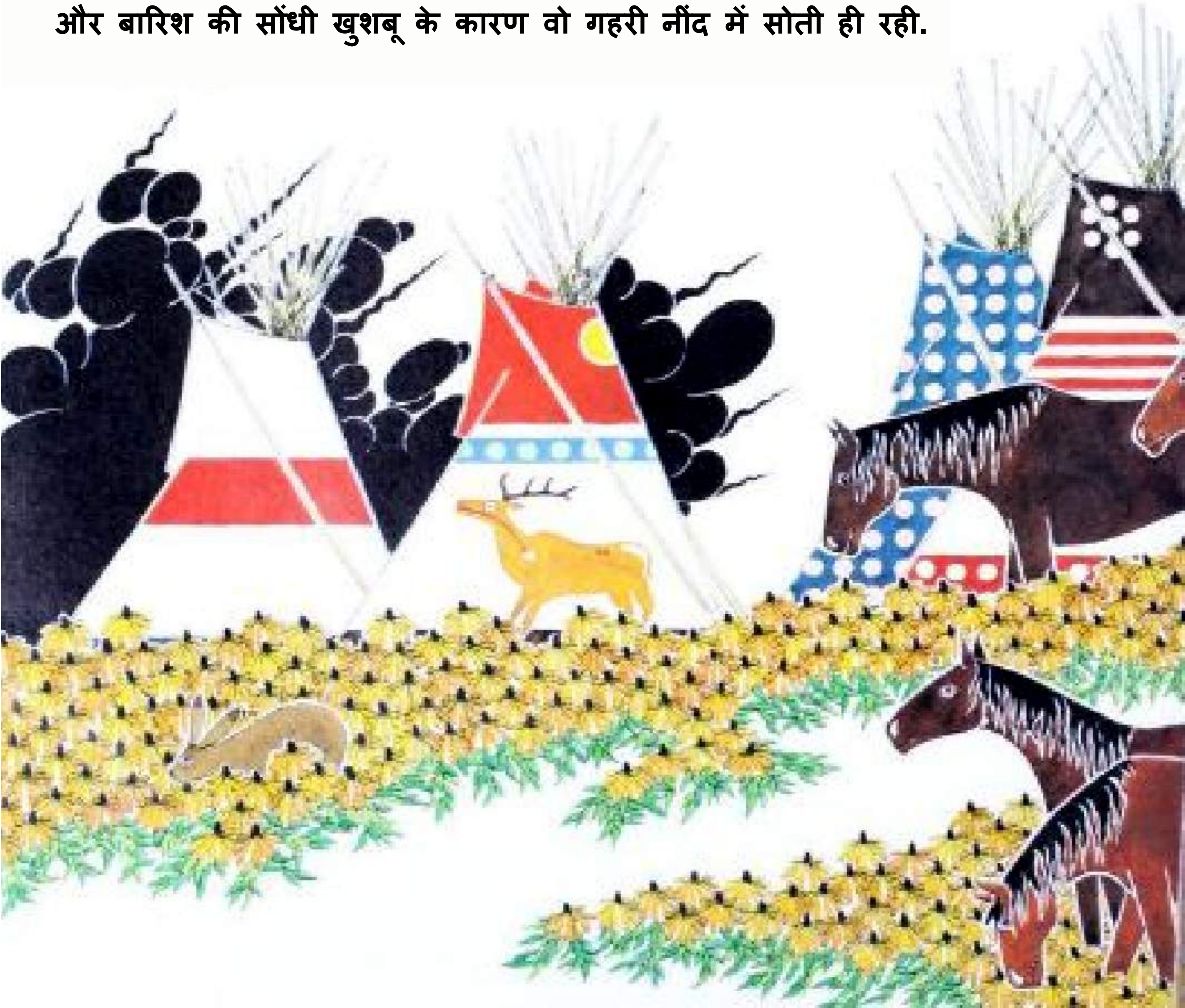
लोगों को इतना पता था कि वो लड़की घोड़ों को एक विशेष तरीके से समझती थी. उसे पता था कि घोड़ों को कौन सी घास सबसे पसंद है और उन्हें सर्दियों के तूफ़ान से कैसे बचाया जाए. अगर कोई घोड़ा बीमार पड़ता तो लड़की उसकी देखभाल करती.



हर रोज़ लड़की माँ के साथ पानी और जलाऊ लकड़ी लेने जाती. वहां से वो घोड़ों के पास चली जाती. वो घास के मैदान में पूरा दिन घोड़ों के साथ बिताती पर इस बात का ध्यान रखती कि वो घर से बहुत दूर नहीं हो.

एक दिन जब तेज़ धूप पड़ रही थी तो दोपहर को लड़की को नींद लगी. वो अपना कम्बल बिछाकर उसपर सो गई. उसे फूलों के बीच घोड़ों के हल्के-हल्के चलने की और घास खाने की आवाजें सुनाई दे रही थीं. जल्द ही वो गहरी नींद में सो गई.

जब दूर आसमान में बादल गरजे तो भी उसकी आँख नहीं खुली. फिर आसमान में डरावने काले बादल छा गए और ज़ोरदार बिजली चमकने लगी. परन्तु साफ़ हवा और बारिश की सोंधी खुशबू के कारण वो गहरी नींद में सोती ही रही.







फिर अचानक बहुत ज़बरदस्त बिजली कड़की और इतनी तेज गर्जन हुई कि धरती हिलने लगी. डर के मारे लड़की जल्दी से उठी. घोड़े अपने पिछले पैरों पर खड़े थे और डर के मारे बहुत जोर से हिनहिना रहे थे. फिर लड़की ने एक घोड़े की गर्दन के लम्बे बाल पकड़े और वो कूदकर घोड़े की पीठ पर चढ़ गई.



फिर क्षण भर में घोड़ों का झुण्ड हवा की तेज़ी से भागने लगा. उसने घोड़ों से रुकने को कहा पर उसकी आवाज़ तूफ़ान की गर्जन में डूब गई. घोड़ों को अब कोई नहीं रोक सकता था. वो घोड़े के बालों को कसकर पकड़े रही, क्योंकि उसे डर था कि अगर वो गिरी तो फिर वो घोड़ों के खुरों के नीचे कुचली जाएगी.





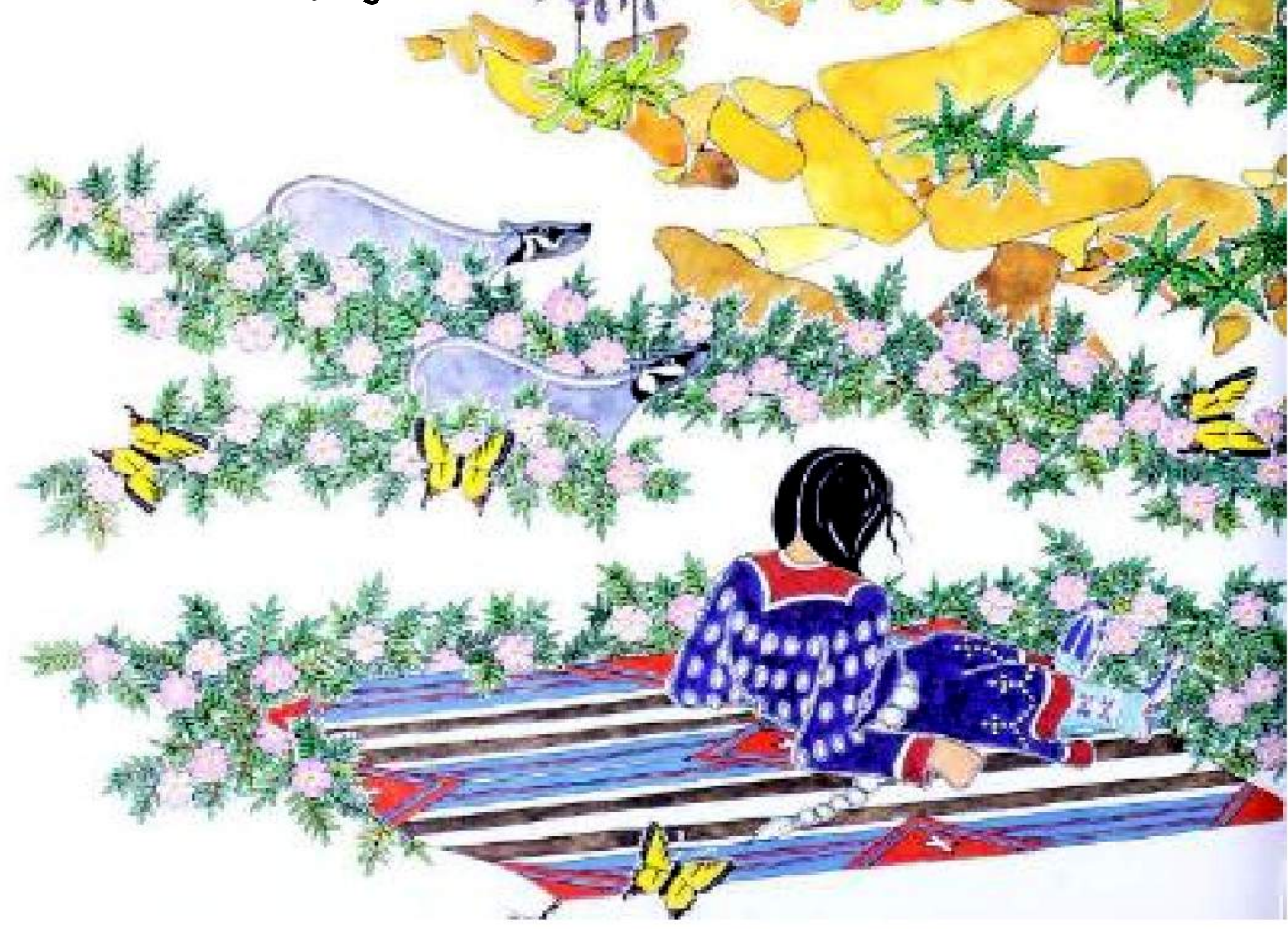


उसके बाद घोड़े बहुत तेज़ गति से दौड़ते रहे. तूफ़ान और बिजली उनका पीछा कर रहे थे. घोड़ों का झुण्ड पहाड़ियों और वादियों से होकर गुजरा. डर के मारे वो बस भागते रहे. अब उनके परिचित घास के मैदान बहुत पीछे छूट गए थे.

फिर कुछ देर के बाद तूफ़ान रुका. थके-मांदे घोड़े तब सुस्ताने के लिए रुके. रात हो गई और आसमान में तारे चमकने लगे. लड़की के आसपास पहाड़ियां थीं जिन्हें उसने पहले कभी नहीं देखा था. उसे पता था कि वो किसी वीरान इलाके में खो गई थी.



अगले दिन सुबह एक घोड़े की तेज़ हिनहिनाहट से उसकी आँखें खुलीं. एक चितकबरा घोड़ा उसके सामने नाच रहा था, अपने खुरों को ज़मीन पर पटक रहा था और अपने बाल हिला रहा था. वो घोड़ा ताकतवर और गर्वीला था. इतना सुन्दर घोड़ा, लड़की ने पहले कभी, अपने सपने में भी नहीं देखा था. उसने कहा कि वो पहाड़ियों पर घूमने वाले जंगली घोड़ों का लीडर था. उसने लड़की का स्वागत किया और उसे घोड़ों के झुण्ड के साथ रहने का निमंत्रण दिया. यह सुनकर लड़की बहुत खुश हुई. बाकी घोड़ों ने अपने सिर हिलाकर अपनी ख़ुशी ज़ाहिर की. घोड़ों के साथ रहने का मौका पाकर लड़की बेहद खुश हुई.





गाँव के लोगों ने उस छोटी लड़की और घोड़ों को बहुत खोजा पर वे उन्हें कहीं नहीं मिले.

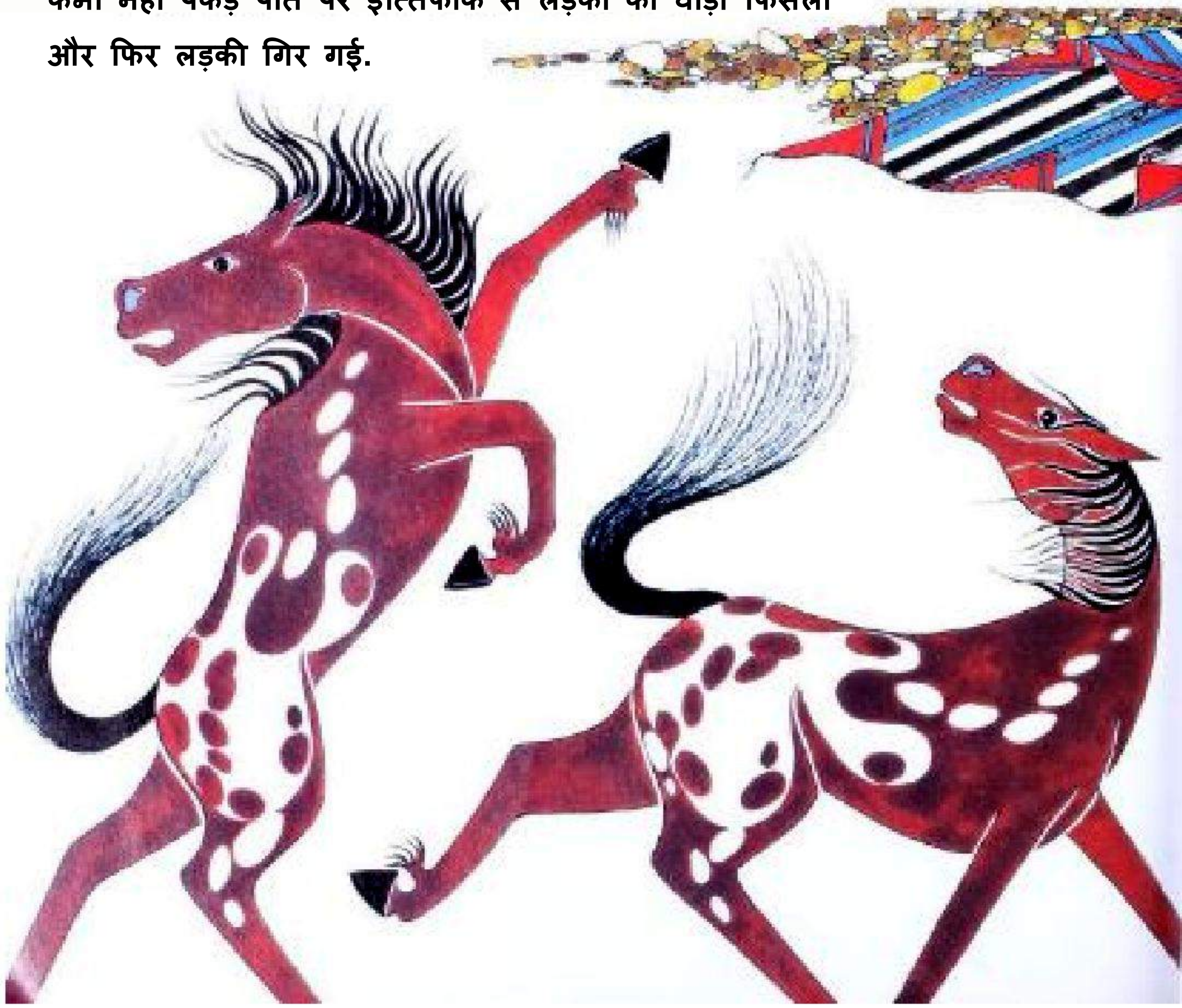
फिर एक साल बाद गाँव के दो शिकारी उस पहाड़ी पर गए जहाँ जंगली घोड़े रहते थे. पहाड़ी पर चढ़कर जब उन्होंने ऊपर देखा तो उन्हें जंगली घोड़ों का झुण्ड दिखा जिसका लीडर एक सुन्दर चितकबरा घोड़ा था. उसके पास में ही एक घोड़ी पर वो छोटी लड़की सवार थी. उन शिकारियों ने लड़की को बुलाया. लड़की ने उनकी ओर अपना हाथ हिलाया. पर चितकबरा घोड़ा अपने झुण्ड को, शिकारियों से बहुत दूर ले गया.



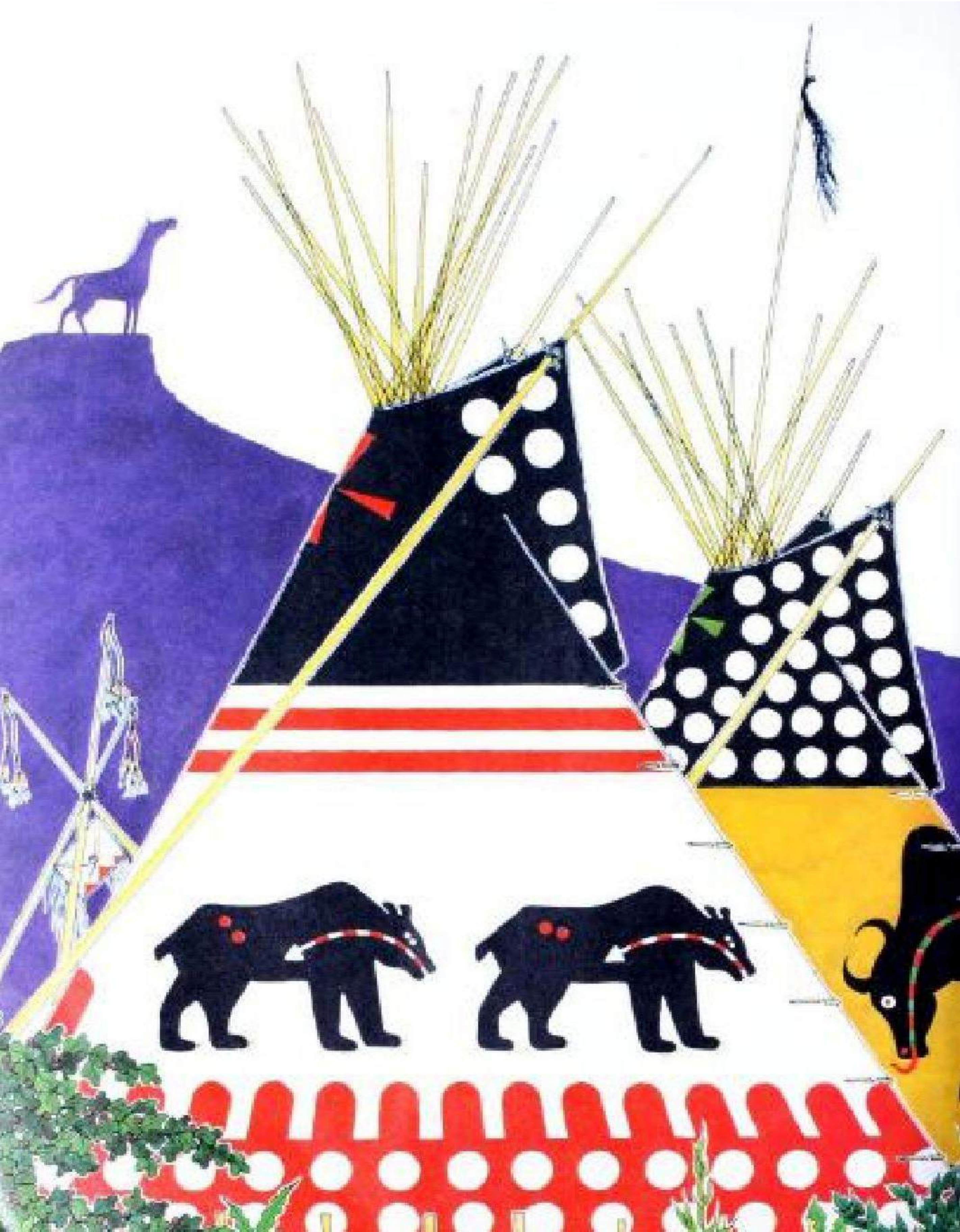


फिर शिकारी वापिस गाँव आए और उन्होंने जो देखा वो गाँववालों को बताया. उसके बाद गाँव के कुछ लोग अपने सबसे तेज़ घोड़ों पर चढ़कर पहाड़ी की तरफ चले.

उन्हें बहुत कोशिश करनी पड़ी. क्योंकि उस सुन्दर चितकबरे घोड़े ने उस लड़की को बचाने की भरसक कोशिश की. वो लड़की की घोड़ी के चारों ओर गोल-गोल घूमता रहा जिससे गाँववाले उसके पास नहीं आ सकें. गांववालों ने उसे रस्सी से पकड़ने की कोशिश की पर वो उससे लगातार बचता रहा. वो घोड़ा बिल्कुल निडर था. उसकी आँखें ठन्डे तारों जैसे चमकीली थीं. वो जोर से हिनहिनाता था और उसके खुर बिजली जैसे ज़मीन से टकराते थे. गांववालों ने उसकी हिम्मत की दाद दी. वो शायद लड़की को कभी नहीं पकड़ पाते पर इत्तिफाक से लड़की की घोड़ी फिसली और फिर लड़की गिर गई.



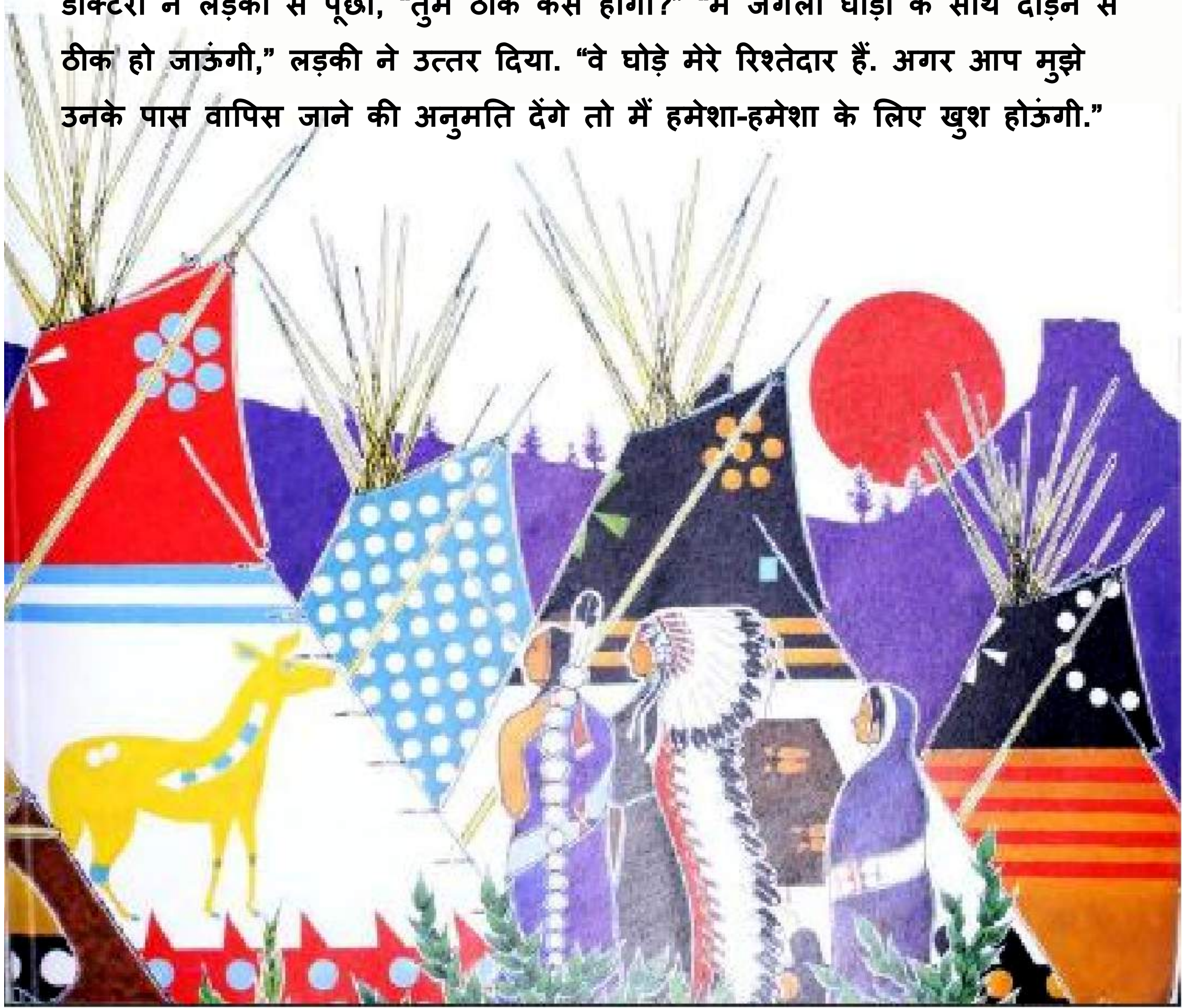




लड़की अपने माता-पिता को देखकर बहुत खुश हुई. माता-पिता को लगा कि घर वापिस आकर अब लड़की हमेशा उनके साथ रहेगी. पर लड़की उदास रहती. जंगली घोड़ों की संगत की उसे बहुत याद सताती.

हर रोज़ शाम को जब सूरज ढलने को होता तो गाँववालों को पहाड़ी पर उस सुन्दर चितकबरे घोड़े के हिनहिनाने की आवाज़ सुनाई देती. वो घोड़ा लड़की को पुकारता, उसे वापिस बुलाता.

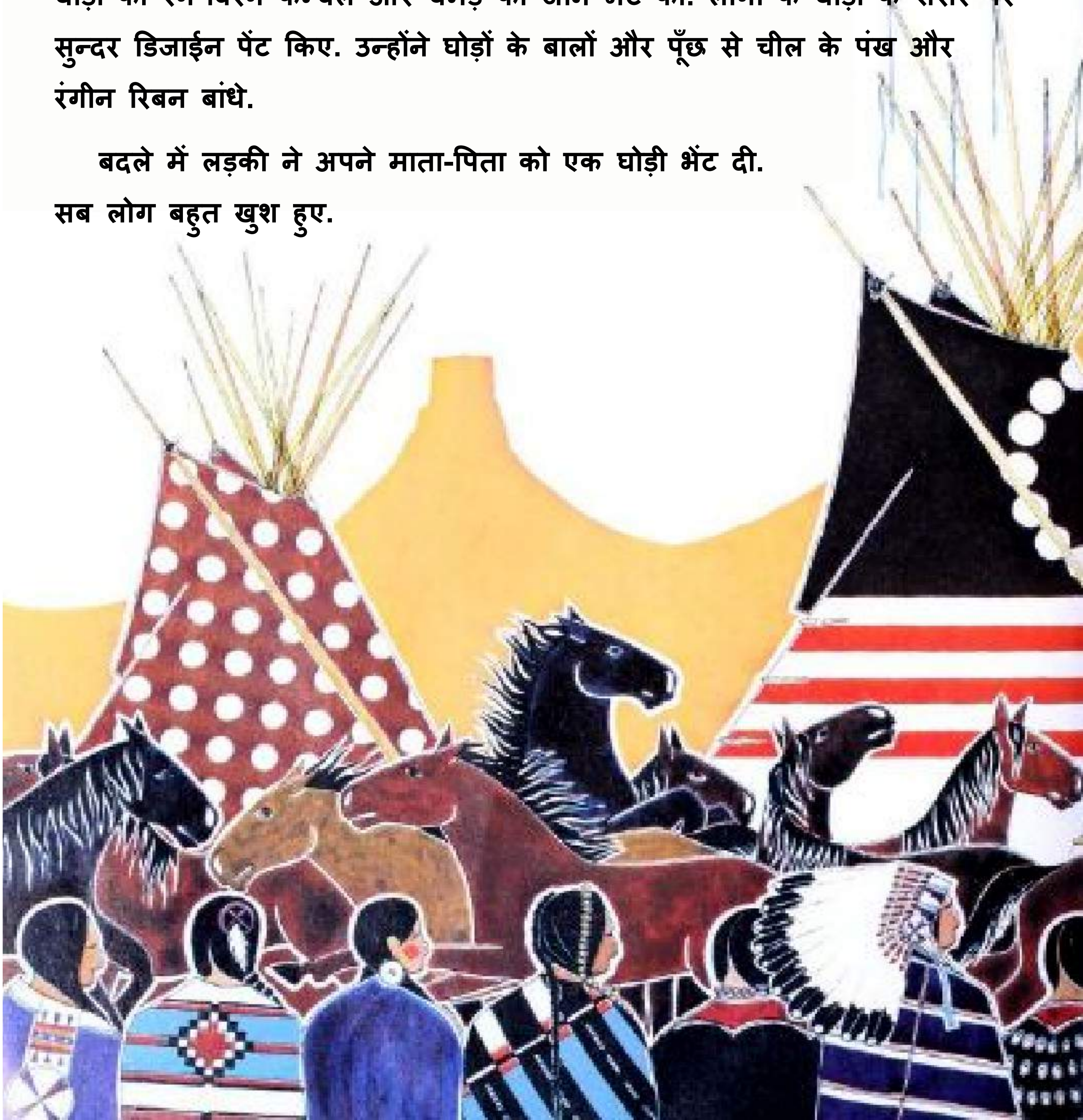
जैसे-जैसे दिन बीते, लड़की के माता-पिता को एहसास हुआ कि उनकी बेटी बहुत अकेली थी. फिर एक दिन लड़की बहुत बीमार पड़ी. डॉक्टर उसका इलाज नहीं कर पाए. डॉक्टरों ने लड़की से पूछा, "तुम ठीक कैसे होगी?" "मैं जंगली घोड़ों के साथ दौड़ने से ठीक हो जाऊंगी," लड़की ने उत्तर दिया. "वे घोड़े मेरे रिश्तेदार हैं. अगर आप मुझे उनके पास वापिस जाने की अनुमति देंगे तो मैं हमेशा-हमेशा के लिए खुश होऊंगी."



माता-पिता अपनी बेटी को बहुत प्यार करते थे. इसलिए उन्होंने उसे जंगली चितकबरे घोड़े के पास वापिस जाने की मंज़ूरी दे दी. उन्होंने अपनी बेटी को एक सुन्दर ड्रेस दी और सवारी के लिए गाँव का सबसे तेज़ घोड़ा दिया.

वो चितकबरा घोड़ा अपने झुण्ड को लेकर पहाड़ी से नीचे उतरा. गाँववालों ने घोड़ों को रंग-बिरंगे कम्बल और चमड़े की जीन भेंट कीं. लोगों के घोड़ों के शरीर पर सुन्दर डिजाईन पेंट किए. उन्होंने घोड़ों के बालों और पूँछ से चील के पंख और रंगीन रिबन बांधे.

बदले में लड़की ने अपने माता-पिता को एक घोड़ी भेंट दी.
सब लोग बहुत खुश हुए.







एक बार फिर से लड़की उस सुन्दर, चितकबरे घोड़े के साथ चली. उन्हें इस बात का गर्व था और ख़ुशी भी.

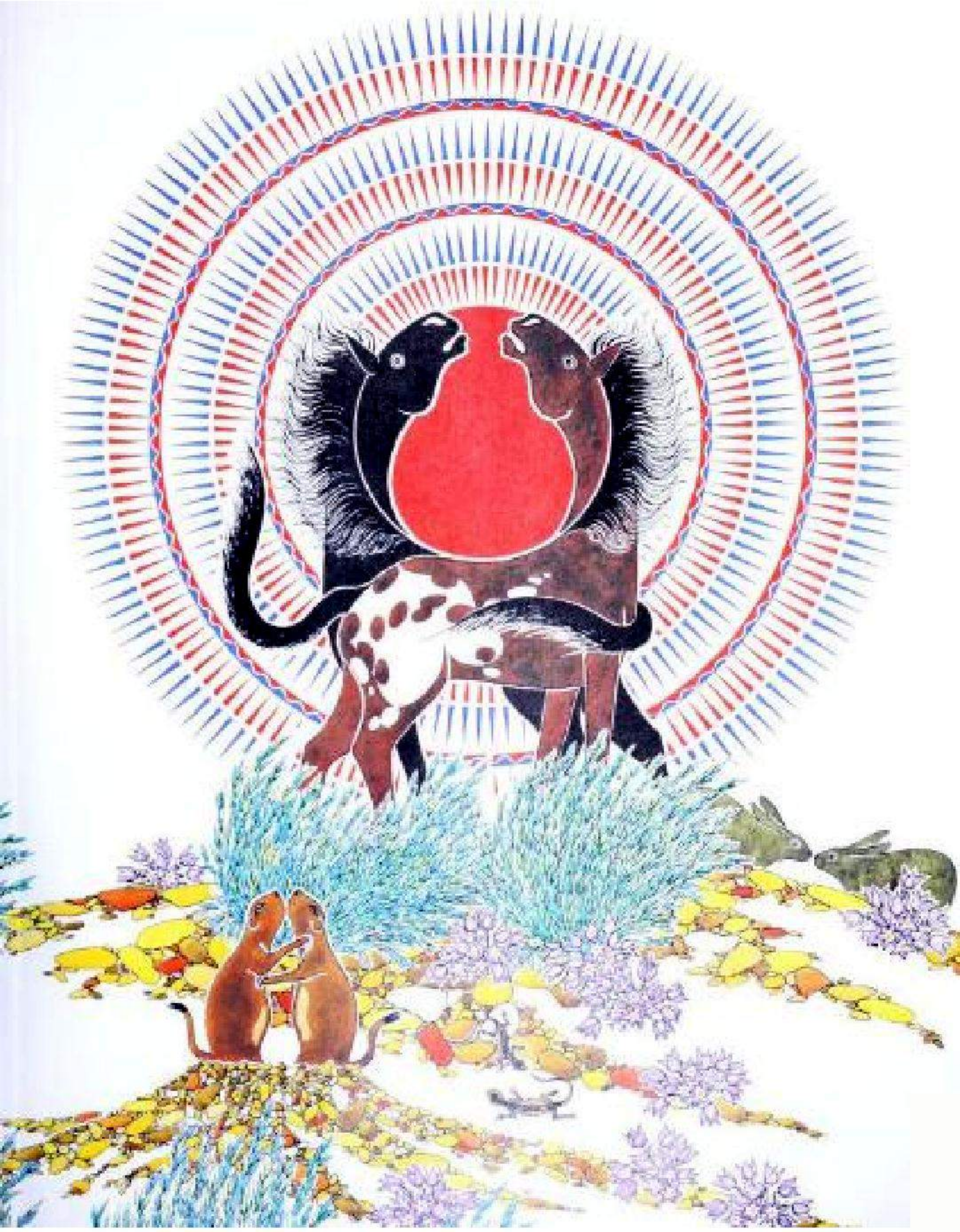
पर वो लड़की कभी भी अपने लोगों को नहीं भूली. वो हर साल वापिस आती और अपने माता-पिता को एक घोड़ी भेंट देकर जाती.



फिर एक साल लकड़ी वापिस नहीं आई. उसके बाद उसे किसी ने दुबारा कभी नहीं देखा. पर जब शिकारियों ने उन जंगली घोड़ों को दुबारा देखा तो उन्हें उस सुन्दर, चितकबरे घोड़े के साथ एक सुन्दर मादा घोड़ी दौड़ती हुई, पूँछ हिलाती हुई दिखाई दी. लोगों ने माना कि वो लड़की भी अंत में एक जंगली घोड़ी में बदल गई होगी.

हम आज भी खुश हैं कि क्योंकि घोड़ों के बीच हमारे कुछ रिश्तेदार अभी भी हैं. जंगली घोड़ों को स्वच्छंद दौड़ते हुए देखकर हमें बहुत ख़ुशी मिलती है. हमारे विचार उनके साथ-साथ उड़ते हैं.







उस गाँव में एक लड़की थी जिसे घोड़ों से बहुत प्रेम था.

वो घोड़ों को एक विशेष तरीके से समझती थी.

वो सिर्फ जंगली घोड़ों के साथ रहना चाहती थी.

वो उनके बीच मुक्त और खुश थी.

क्या उसके लोग उसे वहां जाने देंगे?

